मीका

1 याहवे का संदेश यहूदा के राजा योताम,
आहाज और हिजकिय्याह के दिनों में
मीका मोरेशेती को आया, जिसको उसने
शोमरोन और यरूशलेम के विषय में पाया।
2 हे देश के सब लोगो, सुनो! हे पृथ्वी और
उसमें रहनेवालो ध्यान दो! प्रभु याहवे तुम्हारे
खिलाफ, बल्कि परमेश्वर अपने पवित्र मन्दिर
में से तुम पर गवाही दे। 3 क्योंकि देखो,
याहवे अपने पवित्र स्थान से बाहर निकल
रहे हैं, और वह उतरकर पृथ्वी के ऊँची
जगहों पर चलेंगे। 4 पहाड़ उनके कदमों के
नीचे पिघल जाएँगे, घाटियों के दो हिस्से
हो जाएँगे, ठीक वैसे ही जैसे मोम आग से
पिघलता है, और पानी ऊँचाई से नीचे बहता
चला है। 5 यह सब याकूब के गुनाह की वजह
से हुआ, इस्राएल के घराने के अपराध की
वजह से हुआ है। याकूब का गुनाह क्या है?
क्या सामरिया नहीं? यहूदा के ऊँचे स्थान
क्या हैं? क्या यरूशलेम नहीं? 6 इस कारण
मैं सामरिया को मैदान का ढेर कर दूँगा,
वहाँ अंगूर का बगीचा लगाया जाएगा। उसके
पत्थरों को मैं घाटी में लुढ़का दूँगा, उसकी
बुनियाद उखाड़ दूँगा। 7 खुदाई हुई उसकी
सारी मूर्तियाँ टुकड़े टुकड़े कर दी जाएँगी।
जो कुछ उसने गलत कामों से कमाया है वह
आग से जलाकर राख कर दिया जाएगा।
उसकी सारी मूर्तियों को मैं चकनाचूर कर
दूँगा। उसने उन्हें वेश्या की कमाई से इकट्ठा
कर लिया था, और वह फिर वेश्या की
कमाई में ही लौट जाएगी। 8 इस कारण मैं
छाती पीटकर दुख मनाऊँगा, मैं ऐसे चलूँगा
और फिरूँगा जैसे मुझे लूट लिया गया है, मैं
नंगा चला फिरा करूँगा। मैं गीदड़ों के समान
चिल्लाऊँगा, और शतुर्मुर्गों के समान रोऊँगा।
9 उसका घाव ठीक होना मुश्किल है। यहूदा
पर भी विपत्ति आ पड़ी, बल्कि मेरे अपने
लोगों पर वह आई है, और यरूशलेम के
फाटक तक पहुँच गई है। 10 गात नगर में
इस बारे में मत बताओ, मत रोओ। बेतआप्रा
में धूल में जाकर बैठो। 11 हे शापीर की
रहनेवाली, नंगी होकर बेशर्मी से चली जा।
सानान की रहनेवाली नहीं निकल सकती;
बेतेसेल शोक मना रही है, जिस कारण
उसका शरणस्थान तुमसे ले लिया जाएगा।
12 क्योंकि मारोत की रहनेवाली, भलाई का
इंतज़ार करते हुए तड़प रही है, क्योंकि याहवे
की ओर से यरूशलेम के फाटक तक विपत्ति
आ चुकी है। 13 हे लाकीश की रहनेवाली,
अपने रथों में तेज़ी से चलनेवाले घोड़े जोत
ले। सिय्योन के लोगों के गुनाह की शुरूआत
तुझी से हुई है, क्योंकि इस्राएल के गुनाह
तुझी में पाए गए। 14 इस वजह से तुम गात
के मोरेशेत को ईनाम दोगे। अकजीब के
घर से इस्राएल के राजा धोखा ही खाएँगे।
15 हे मारेशा की रहनेवाली, मैं फिर भी तुम्हारे
पास एक वारिस लाऊँगा, और इस्राएल की
महिमा अदुल्लाम को आएगी। 16 दुख मनाते
हुए अपने दुलारे लड़कों के लिए बाल काट
कर अपना सिर मुंडवा लो, बल्कि अपना
पूरा सिर गिद्ध के समान गंजा कर दो, क्योंकि
वे कैदी बनकर तुम से दूर चले गए हैं।

2 वे लोग शापित हों जो बिस्तर पर
लेटे-लेटे बुराइयों के बारे में सोचते हैं
और बुरे काम करने की इच्छा करते हैं, सुबह
होते ही वे उसे करते हैं क्योंकि उसे करने
की ताकत उनके हाथों में है। 2 वे खेतों का

लालच करते हैं और ज़बरदस्ती उन्हें छीन
लेते हैं। वे घरों का लालच करते हैं और उन्हें
भी छीन लेते हैं। वे पुरुष पर और उसके घराने
पर भी, और किसी पुरुष पर और उसके
अपने हिस्से पर नाइन्साफी करते हैं, जुल्म
ढाते हैं। 3 इसलिए याहवे कहते हैं, मैं इस
खानदान पर ऐसी विपत्ति भेजूँगा, जिसमें से
अपनी गर्दन हटाना तुम्हे मुमकिन न होगा।
तुम अपना सिर उठाकर नहीं चल पाओगे,
क्योंकि वह बड़े संकट का समय होगा। 4 उस
दिन वे तुम्हारे खिलाफ एक कहावत कहेंगे,
और बहुत शोक मनाएँगे और कहेंगे, हम तो
बर्बाद हो गए हैं! उसने मेरे लोगों के भाग
को बिगाड़ दिया है। उसने उसे मुझसे दूर
कर दिया है! वह हमारे खेतों को दगाबाज़
के हाथों में दे देता है। 5 इसलिए तुम्हारे पास
ऐसा कोई नहीं होगा, जो याहवे की मण्डली
में चिट्ठी डालकर नापने की डोरी डाले।
6 भविष्यद्वाणी करने वालों से वे कहते हैं,
“भविष्यद्वाणी मत करो।उनसे भविष्यद्वाणी
की बातें मत कहो, जिससे उन्हें शर्मिंदगी
महसूस नहीं होगी। 7 तुम जो याकूब के घराने
के कहलाते हो, क्या प्रभु का आत्मा अधीर
है? क्या ये उसी के काम हैं? क्या मेरे वचन
सीधाई से चलते वालों का भला नहीं करते?
8 लेकिन हाल ही में मेरी प्रजा दुश्मन बनकर
मेरे खिलाफ खड़ी हो गई। तुम बेकसूर
और सीधेसाधे राह चलने वालों के कपड़े
छीन लेते हो जो अपने आपको सुरक्षित
समझकर वहाँ से गुज़रते हैं, उन लोगों के
समान जो लड़ाई से लौट रहे हों। 9 मेरी
प्रजा की महिलाओं को उनके आरामयदायक
घरों से निकाल देते हो। उनके बच्चों से
तुमने मेरी महिमा को हमेशा के लिए छीन
लिया है। 10 उठो, निकल जाओ! क्योंकि यह
तुम्हारे आराम की जगह नहीं है; क्योंकि वह
अपवित्र कर दी गई है। बड़ा विनाश आएगा
और वह तुम्हें बर्बाद कर देगी। 11 यदि कोई
झूठी आत्मा की प्रेरणा से चलने वाला झूठा
व्यक्ति कहता है, ‘मैं तुम्हारे लिए दाखरस
और शराब के बारे में भविष्यद्वाणी करता
रहूँगा, तो वही इन लोगों का भविष्यद्वक्ता
बनेगा। 12 हे याकूब, मैं अवश्य तुम सभों
को इकट्ठा करूँगा, मैं इस्त्राएल के बचे
हुओं को ज़रूर इकट्ठा करूँगा। मैं बोस्रा की
भेड़-बकरियों के समान, उनकी चराई के
बीचोबीच रहने वाले झुण्ड के समान उन्हें
एक साथ रखूँगा। वह इतने लोग हो जाएँगे
कि वे बहुत शोर मचाएँगे। 13 तोड़फोड़ करने
वाला आगे जाएगा। वे फाटक तोड़कर बाहर
निकल आएँगे; और उनका राजा उनके आगे
आगे जाएगा मतलब याहवे प्रभु जो उनका
प्रधान और अगुवा हैं।”

3 मैंने कहा, हे याकूब के प्रधानो, हे
इस्राएल के घराने के इन्साफ करने
वालो, क्या इन्साफ के बारे में जानना तुम्हारा
काम नहीं? 2 तुम भलाई से नफरत करते हो,
और बुराई को पसंद करते हो, तुम लोगों पर
से उनकी खाल, और उनकी हड्डियों पर से
उनका मांस उधेड़ लेते हो; 3 तुम मेरे लोगों
का मांस भी खा लेते हो, और उनकी खाल
उधेड़ते हो। तुम उनकी हड्डियों के टुकड़े
कर मांस के समान उन्हें पकाते हो। 4 वे
याहवे को पुकारेंगे, लेकिन वह उनकी नहीं
सुनेंगे। उन्होंने जो बुरे काम किए हैं उसके
कारण वह अपना मुँह छिपा लेंगे। 5 मेरे लोगों
को गुमराह करने वाले भविष्यद्वक्ताओं के
बारे में, जो उन्हें खाने के लिए मिलने पर
शांति शांति पुकारते हैं। जो उनके मुँह में
कुछ नहीं देता उसके खिलाफ युद्ध करने
तैयार हो जाते हैं, उनसे याहवे कहते हैं,
6 “इस कारण तुम पर ऐसी रात आएगी कि

तुम दर्शन नहीं देख पाओगे, और तुम पर
ऐसा अन्धियारा छा जाएगा कि तुम भविष्य
नहीं बता पाओगे। भविष्यद्वक्ताओं के लिए
सूरज डूब जाएगा, और दिन में उन पर
अन्धियारा छा जाएगा। 7 दर्शन देखने वाले
शर्मिंदा होंगे।भविष्य बताने वालों का मुँह
काला होगा। वे अपने ओठों को छिपाएँगे
क्योंकि उन्हें परमेश्वर की ओर से कोई जबाब
नहीं मिलता। 8 लेकिन मैं तो याहवे के आत्मा
की सामर्थ से, तथा इन्साफ और ताकत से
परिपूर्ण हूँ कि याकूब के सामने उसके गुनाह
के बारे और इस्राएल को उसके अपराध के
बारे में बता सकूँ। 9 हे न्याय से नफरत करने
वाले और सब सीधी बातों को टेढ़ी-मेढ़ी
करने वाले, याकूब के घराने के प्रधानो,
इस्राएल के घराने के इन्साफ करने वालो,
सुनो। 10 तुम खून बहाकर सिय्योन का, और
अपनी दुष्टता से यरूशलेम का निर्माण करते
हो। 11 उसके अधिकारी रिश्वत लेते हैं, उसके
पुरोहित पैसों के लिए सिखाते हैं, फिर भी
वे परमेश्वर पर भरोसा करते हुए कहते हैं,
“क्या याहवे हमारे बीच में नहीं हैं, इसलिए
कोई विपत्ति हम पर न आएगी।” 12 इसलिए
तुम्हारे कारण सिय्योन पर खेत के समान हल
चलेगा, और यरूशलेम ढेर बन जाएगा, तथा
जिस पहाड़ पर मंदिर बना है, वह जंगल के
ऊँचे स्थानों के समान हो जाएगा।

4 आखरी दिनों में ऐसा होगा कि याहवे
के भवन का पर्वत दूसरे सभी पहाड़ों
से ऊँचा किया जाएगा, सब पहाड़ियों से वह
ऊँचा होगा; और सभी राष्ट्रों के लोग धारा के
समान उसकी ओर आएँगे। 2 कई राष्ट्रों के
लोग आएँगे, और आपस में कहेंगे, “आओ,
हम प्रभु याहवे के पहाड़ पर चढ़कर, याकूब
के मन्दिर में जाएँ, और वह हमको अपने मार्ग
के बारे में सिखाएँगे, फिर हम उनकी राह
पर चलेंगे। क्योंकि याहवे का नियम सिय्योन
से निकलेगा, और उनका वचन यरूशलेम
से निकलेगा। 3 वह बहुत देशों के लोगों का
इन्साफ, दूर दूर के ताकतवर देशों के झगड़ों
को मिटाएँगे। फिर वे अपनी तलवारों को
तोड़कर हल की फाल, और अपने भालों से
हँसिया बनाएँगे। उसके बाद एक राष्ट्र दूसरे
राष्ट्र के खिलाफ तलवार नहीं चलाएगा।
इसके बाद लोग युद्धविद्या नहीं सीखेंगे। 4 हर
व्यक्ति अपनी अपनी दाखलता और अंजीर
के वृक्ष पेड़ नीचे बैठगा, और कोई उनको न
डराएगा। 5 सब राज्यों के लोग अपने अपने
देवता का नाम लेकर चलते हैं, लेकिन हम
लोग अपने परमेश्वर याहवे का नाम लेकर
हमेशा चलते रहेंगे। 6 प्रभु कहते हैं, “उस दिन
मैं लंगड़ों को, और कैद में गए हुओं को, और
उन लोगों को जिन्हें मैंने दुःख दिया है इकट्ठा
करूँगा। 7 लंगड़ों को मैं बचाकर रखूँगा, और
जिन्हें बंधुवा बनाया गया था एक मज़बूत
राष्ट्र बनाऊँगा। प्रभु उन पर सिय्योन पर्वत
से अब से लेकर हमेशा तक राज्य करते
रहेंगे। 8 हे एदेर के मीनार, हे सिय्योन की बेटी
के गढ़, तुम्हें फिर से पहिली प्रभुता मिलेगी,
राज्य फिर से यरूशलेम के हाथ आएगा।
9 अब तुम क्यों ऊँची आवाज़ में चिल्लाती हो?
क्या तुम में कोई राजा नहीं? क्या तुम्हें सलाह
देने वाला नाश हो गया? जिससे प्रसव होने
वाली स्त्री के समान तुझे दर्द हो रहा है?
10 हे सिय्योन की बेटी, प्रसव होने वाली स्त्री
के समान दर्द उठाते हुए जन्म दे। क्योंकि
अब तुम नगर से निकलकर मैदान में रहने
लगोगी, तुम बेबीलोन को जाओगी।वहीं तुम्हें
बचा लिया जाएगा, वहीं याहवे परमेश्वर तुम्हें
तुम्हारे दुश्मनों के हाथ छुड़ा लेगा। 11 अब
बहुत से राष्ट्र तेरे खिलाफ इकट्ठा हुए हैं। वे
कहते हैं, “सिय्योन अपवित्र की जाए, और

हम अपनी आँखों से उसे देखेंगे।” 12 लेकिन
वे परमेश्वर के विचारों को नहीं जानते, और
न ही उनके मकसद को समझते हैं। क्योंकि
वह उन्हें पूलों के समान बटोरकर खलिहान
में ले जाते हैं। 13 हे सिय्योन, उठो और अनाज
पीट, मैं तेरे सींगों को लोहे के समान बनाऊँगा
और तुम्हारे खुरों को पीतल के बनाऊँगा और
तुम कई राष्ट्रों को कुचल डालोगी, और
उनकी कमाई प्रभु को और उनकी धन-दौलत
पृथ्वी के प्रभु को अर्पण करोगी।

5 अब हे बहुत दलों की स्वामिनी, दल
बान्धकर इकट्ठा हो जाओ, क्योंकि
उसने हम लोगों को घेर लिया है। वे इस्राएल
के न्यायाधीश के गाल पर सोटे से मारेंगे। 2 हे
बेतलहेम एप्राता, भले ही तू यहूदा के हज़ारों
के बीच छोटा है, तौभी तुझमें से मेरे लिए
एक पुरुष उत्पन्न होगा, जो इस्राएलियों पर
प्रभुता करेगा। उसका निकलना प्राचीनकाल
से, अर्थात अनादिकाल से होता आया है।
3 इस कारण वह उनको उस समय तक
छोड़ देंगे जब तक कि उसे प्रसव का दर्द
न हो। तब इस्राएलियों के पास उसके बचे
हुए भाई लौटकर उनसे मिल जाएँगे। 4 और
वह खड़े होकर याहवे के बल से अपनी
झुण्ड को चराएँगे, अपने परमेश्वर याहवे के
नाम के प्रताप से वे सुरक्षित रहेंगे, क्योंकि
अब वह पृथ्वी के छोर तक महान ठहरेंगे।
5 यह मनुष्य हमारी शान्ति का कारण होगा।
जब अश्शूरी हमारे देश पर हमला करेंगे
और हमारे राजमहलों में प्रवेश करेंगे, तब
हम उनके खिलाफ सात चरवाहे और आठ
अगुवों को खड़ा करेंगे। 6 वे अश्शूर के देश
को, निम्रोद के देश को अपनी तलवार से घात
करेंगे। जब अश्शूरी लोग हमारे देश में आएँगे
और हमारी सीमाओं के भीतर प्रवेश करेंगे,
तब वही हमको उनसे बचाएँगे। 7 याकूब के
बचे हुए लोग कई राष्ट्रों के बीच याहवे की
ओर से पड़नेवाली ओस के समान और घास
पर गिरने वाली उस बौछार के समान होंगे,
जो किसी के लिए नहीं रुकती, या मनुष्यों
का इन्तज़ार नहीं करती। 8 याकूब के बचे हुए
लोग गैरयहूदियों के बीच और कई राष्ट्रों के
बीच ऐसे होंगे जैसे सिंह जंगल के जानवरों
के बीच होता है, या भेड़-बकरियों के झुण्डों
में जवान सिंह होता है, जो उनके बीच से
जाते हुए लताड़ता और फाड़ता जाएगा और
कोई उन्हें बचा न सकेगा। 9 तुम्हारा हाथ
तुम्हारे दुश्मनों के खिलाफ होगा, और तुम्हारे
सारे दुश्मन नाश हो जाएँगे। 10 प्रभु कहते हैं,
“उस दिन ऐसा होगा कि मैं तुम्हारे घोड़ों
को और तुम्हारे रथों को तुम्हारे बीच से
नाश कर दूँगा।” 11 मैं तुम्हारे देश के नगरों
को भी नाश करूँगा, और तुम्हारे किलों को
नष्ट कर दूँगा। 12 मैं तुम्हारे जादू-टोने को
नाश करूँगा, और इसके बाद तुम्हारे बीच
ज्योतिषी या जादूटोना करने वाले न रहेंगे।
13 मैं तुम्हारी गढ़ी हुई मूर्तियों को, तुम्हारे
पवित्र खम्भों को तुम्हारे बीच से नाश कर
दूँगा। इसके बाद तुम अपने हाथ से बनी
मूर्तियों को दण्डवत नहीं करोगे। 14 मैं तुम्हारी
अशेरा नाम मूर्तियों को तुम्हारे देश से उखाड़
फेकूँगा, और तुम्हारे नगरों का सर्वनाश कर
डालूँगा। 15 और जिन्होंने मेरा कहना नहीं
माना उन अन्यजातियों से मैं क्रोध में आकर
और जलजलाहट के साथ बदला लूँगा।

6 जो बात याहवे कहते हैं, सुनो : उठकर,
पहाड़ों के सामने अपनी बहस जारी
रखो, और छोटी पहाड़ियाँ भी तुम्हारी
सुनने पाएँ। 2 हे पहाड़ो, और हे पृथ्वी की
मज़बूत बुनियादों, याहवे का वादविवाद
सुनो, क्योंकि याहवे का अपने लोगों के
खिलाफ मुकद्दमा है, और वह इस्राएल के

खिलाफ मुकदमा चलाएँगे। 3 हे मेरे लोगों,
मैंने तुम्हारे साथ क्या किया है, और क्या
करके मैंने तुझे उकता दिया है? मेरे खिलाफ
गवाही दो।" 4 मेरे खिलाफ गवाही दो! मैं
तुम्हें मिस्र देश से निकाल ले आया, और
गुलामी के घर में से तुम्हें छुड़ाकर ले आया।
मैंने तुम्हारे आगे मूसा, हारून और मरियम
को भेज दिया। 5 हे मेरे लोगों, अब याद
करो, कि मोआब के राजा बालाक ने तुम्हारे
खिलाफ क्या सलाह दी और बोर के बेटे
बिलाम ने शित्तीम से गिल्गाल तक क्या
जवाब दिया, ताकि तुम याहवे की भलाई
के काम को समझ सको। 6 मैं क्या लेकर
याहवे के सामने आऊँगा और ऊँची जगह
पर रहनेवाले परमेश्वर के सामने झुक जाऊँ?
क्या मैं होमबलि के साथ एक साल के
बछड़े को लेकर उनके सामने आऊँ? 7 क्या
याहवे हजारों मेढ़ों से, या तेल की लाखों
नदियों से खुश होंगे? क्या मैं अपने गुनाह
के प्रायश्चित्त के लिए अपने पहले जन्मे को
या अपने अपराध के बदले में अपने जन्माए
हुए किसी को दूँ? 8 हे मनुष्य, वह तुम्हें बता
चुका है कि अच्छा क्या है। और याहवे तुम
से इन बातों को छोड़ और क्या चाहते हैं,
बस इतना ही कि तुम इन्साफ करो, दया
करो, और अपने परमेश्वर के साथ नम्रता के
साथ चलो? 9 याहवे इस नगर को पुकार रहे
हैं, और बुद्धिमान जन तुम्हारा नाम देखेगा।
राजदण्ड की ओर ध्यान दो, और उनकी ओर
जो उसे देनेवाले हैं। 10 क्या अब तक दुष्ट
के घर में दुष्टता से कमाया हुआ धन है?
क्या छोटा एपा का माप भी नहीं? ये सारी
बातें परमेश्वर को घिनौनी लगती हैं। 11 क्या
मैं उन लोगों को बेगुनाह ठहराऊँ जो अपने
झूठे तराजू से और झूठे वजन से, गलत नाप
से तौलते हैं? 12 उनके अमीर लोग अन्याय
और अत्याचार के काम करते हैं; और यहाँ
रहनेवाले सब के सब झूठ बोलते हैं और
उनके मुँह धोखाधड़ी और छल की बातों से
भरे हैं? 13 इसलिए मैं तुझे मार-मारकर घायल
और रोगी कर दूँगा, और तुम्हारे अपराधों के
कारण तुझ को उजाड़ कर डालूँगा। 14 तुम
खाओगे तो सही, लेकिन तृप्त नहीं होगे।
तुम हमेशा भूखे ही रहोगे। तुम अपनी दौलत
लेकर तो चलोगे, लेकिन उसे बचा न सकोगे,
और यदि कुछ बचा भी पाते हो तो उसको मैं
तलवार चलाकर लुटवा दूँगा। 15 तुम बोओगे
तो सही, लेकिन फसल नहीं काट पाओगे।
तुम जैतून का तेल तो निकालोगे, लेकिन खुद
लगा न पाओगे। तुम दाख रौंदकर उसका
दाखरस बना तो लोगे, लेकिन उसे पी नहीं
पाओगे। 16 क्योंकि वे ओम्री के नियमों के
मुताबिक और अहाब के घराने की चाल पर
चलते हैं। तुम उन्हीं की सलाह पर, उन्हीं की
सीख पर चलते हो। इसलिये मैं तुम्हें उजाड़
कर दूँगा। इस नगर के रहनेवालों को देखकर
लोग तालियाँ बजाएँगे, तुम पर हँसेंगे। तुम मेरे
लोगों की बदनामी सहोगे।

7 हाय मुझ पर! क्योंकि मैं उन लोगों के
समान हो गया हूँ जो धूपकाल के फलों
को इकट्ठा करने आते हैं, या अंगूर बीनने
के लिए आते हैं। मैं पके हुए अंजीरों को
तोड़ना चाहता था, लेकिन खाने के लिये
एक भी गुच्छा नहीं रहा। 2 अच्छे लोग पृथ्वी
पर से नाश हो गए हैं, और मनुष्यों में एक
भी सीधा मनुष्य नहीं रहा। वे सब के सब
खून करने के लिये छिपकर बैठते हैं। हर
कोई जाल बिछाकर अपने भाई का शिकार
करना चाहता है। 3 वे अपने दोनों हाथों से
मन लगाकर बुराई करते हैं। अधिकारी और
जिन्हें इन्साफ का काम सौंपा गया है वे रिश्वत
माँगते हैं। ऊँचे पद पर बैठने वाले लोगों

पर अपनी बुरी इच्छा जाहिर करते हैं। इसी
प्रकार से वे सब मिलकर जालसाजी करते
हैं। 4 उनमें जो सब से बेहतर है, वह काँटों से
भरी झाड़ी के समान तकलीफदेह है। तुम्हारे
पहरुओं का कहा हुआ दिन आ गया है,
तुम्हारी सजा का दिन आ गया है। अब वे
जल्द ही उलझन में पड़ जाएँगे। 5 दोस्त पर
विश्वास भरोसा मत करो। राह दिखाने वाले
पर भी भरोसा मत रखो। बल्कि अपनी पत्नी
से भी संभलकर ही बात करना। 6 क्योंकि
बेटा अपने ही पिता का अपमान करता है,
और बेटी अपनी माँ के खिलाफ खड़ी होती
है। बहू अपनी सास के खिलाफ उठ खड़ी
होती है। इन्सान के उसके अपने घर के
लोग ही उसके दुश्मन बन जाते हैं। 7 इसलिए
मैं याहवे की ओर देखता रहूँगा, मैं अपने
उद्धारकर्ता परमेश्वर का इंतज़ार करता रहूँगा।
मेरे परमेश्वर मेरी सुनेंगे। 8 हे मेरी दुश्मन, मेरे
कारण खुशी मत मना। क्योंकि मैं गिर भी
जाऊँ तौभी उठ खड़ा हो जाऊँगा। और जब
मैं अन्धियारे में पड़ूँगा तब परमेश्वर याहवे मेरे
लिये ज्योति बनकर आएँगे। 9 मैंने याहवे के
खिलाफ अपराध किया है, इसलिए मैं तब
तक उनके गुस्से को सहता रहूँगा जब तक
कि वह मेरा मुकद्दमा लड़कर मेरा इन्साफ
नहीं करते। वह मुझे उजियाले में ले आएँगे,
और मैं उनकी अच्छाई को देखूँगा। 10 तब
तुम्हारे परमेश्वर याहवे कहाँ हैं, यह कहने
वाली मेरे दुश्मन उसे देखेगी और शर्म से
अपना मुँह छिपाएगी। मैं अपनी आँखों से उसे
देखूँगा। वह रास्ते पर पड़े कीचड़ के समान
रौंदी जाएगी। 11 तुम्हारे दीवरों के बान्धने के
दिन उसकी सीमा बढ़ाई जाएगी। 12 उस दिन
वह अश्शूर से, और किलों से घिरे नगरों से,
और मिस्र और महानद के बीच के, और
समुद्र से समुद्र और पहाड़ से पहाड़ तक
फैले देशों से वह तेरे पास आएगा। 13 फिर
भी यह देश अपने रहनेवालों के कामों के
कारण उजाड़ ही बना रहेगा। 14 आप लाठी
लेकर अपने लोगों की चरवाही कीजिए, जो
जंगल में, कर्म्मेल के वन में अकेली रहती है।
वे पुराने दिनों के समान बाशान और गिलाद
में चरा करें। 15 जैसे मैंने मिस्र देश से तुम्हारे
निकल आने के दिनों में अजीब काम किए,
वैसे ही बड़े काम मैं उसे दिखाऊँगा। 16 दूसरे
देश उसे देखेंगे और अपनी ताकत की उन्हें
शर्म आएगी। वे अपने मुँह अपने हाथ से
छिपा लेंगे और उनके कान बहरे हो जाएँगे।
17 वे साँप के समान मिट्टी चाटेंगे। पृथ्वी पर
रेंगनेवाले जन्तुओं के समान अपने बिलों में से
काँपते हुए निकलेंगे। वे हमारे परमेश्वर याहवे
से डरेंगे, आप से डरेंगे। 18 आपके समान
ऐसे परमेश्वर कहाँ हैं जो गुनाहों को माफ
करें और अपने बचे हुए लोगों के अपराध
को छिपा दें? उनका गुस्सा हमेशा तक नहीं
रहेगा, क्योंकि वह अपनी दया से खुश होते
हैं। 19 वह फिर हम पर तरस खाएँगे। वह
हमारे बुरे कामों को खत्म करेंगे। आप उनके
सब अपराधों को गहरे समुद्र में डाल देंगे।
20 आप याकूब पर वह सच्चाई, और अब्राहम
पर दया प्रकट करेंगे, जिसकी शपथ आप
पुराने समयों से लेकर अब तक हमारे पूर्वजों
से खाते आए हैं।

DUSTY SANDALS
All Rights Reserved. www.dustysandals.com